बीआरआईसी
बायोटेक्नोलॉजी विभाग का संगठन
BRIC
a DBT Organization

समाचार पत्रिका

अंक – 28, वर्ष – 2026 (जनवरी – मार्च)

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार परिषद,
जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

समाचार पत्रिका के इस अंक में -

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार)
मैनेजिंग एडिटर, समाचार पत्रिका (हिंदी),
ई-मेल : outreach@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. : 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

बीआरआईसी
बायोटेक्नोलॉजी विभाग का संगठन
BRIC
a DBT Organization
NIPGR

समाचार पत्रिका

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

'मेज़रमेंट ऑफ फ्री रेडिकल्स' पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफल आयोजन:
एनआईपीजीआर ने 6–7 जनवरी, 2026 को 'मेज़रमेंट ऑफ फ्री रेडिकल्स' विषय पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला डीबीटी-सहज अवसंरचना के अंतर्गत पीएमएफआर सुविधा द्वारा आयोजित की गई।

कार्यशाला में शोधकर्ताओं, पीएच.डी. छात्रों, पोस्टडॉक्टोरल फेलोज़ तथा संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और फ्री रेडिकल्स के मापन से संबंधित आधुनिक तकनीकों एवं प्रयोगात्मक विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

एनआईपीजीआर में गणतंत्र दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन: एनआईपीजीआर में 26 जनवरी, 2026 को संस्थान के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, कर्मचारियों एवं अन्य सदस्यों की सहभागिता के साथ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

एनआईपीजीआर और ईकाइवा क्रॉपसाइंसेज के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर: एनआईपीजीआर ने सूखा-सहिष्णु चना किस्मों 'अद्विका' एवं 'सात्विक' के ब्रीडर बीजों के विपणन एवं किसानों तक उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मेसर्स ईकाइवा क्रॉपसाइंसेज प्रा. लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

BRIC-National Institute of Plant Genome Research (BRIC-NIPGR) has signed MoA with M/s EKAIVA Cropsciences Pvt. Ltd. for marketing of breeder seeds of drought-tolerant chickpea varieties ADVIKA and SAATVIK to the farmers.

यह साझेदारी उन्नत एवं जलवायु-अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों को किसानों तक पहुँचाने तथा चना उत्पादन में स्थिरता और उत्पादकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

प्लांट टिश्यू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) की 47वीं वार्षिक बैठक: डीबीटी सचिव ने नई दिल्ली स्थित जेएनयू में एनआईपीजीआर द्वारा आयोजित प्लांट टिश्यू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) की 47वीं वार्षिक बैठक, सम्मेलन एवं इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया तथा जैव प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में अपने दृष्टिकोण को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया।

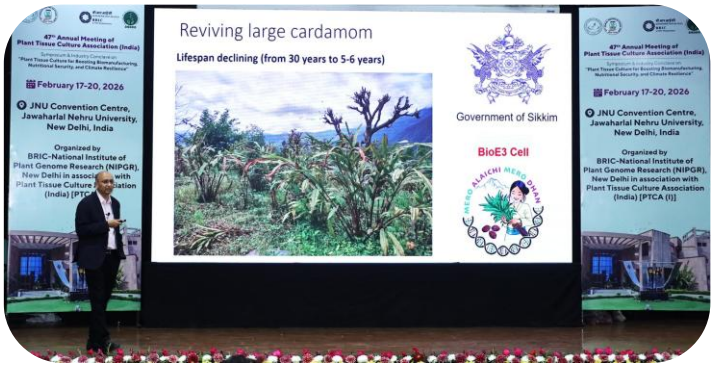

जापान के शिजुओका विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का एनआईपीजीआर दौरा: एनआईपीजीआर ने 2 मार्च, 2026 को शिजुओका विश्वविद्यालय, जापान के एक उच्च-स्तरीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, जिसमें विश्वविद्यालय के अध्यक्ष, महासचिव और उपाध्यक्ष के साथ-साथ वरिष्ठ प्रोफेसर भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य में संभावित सहयोग करने के लिए एनआईपीजीआर ग्रुप लीडर्स के साथ संवाद किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी – जीनोमिक डेटा साइंस: टूल्स, ट्रेंड्स एंड ट्रांसलेशन :एनआईपीजीआर ने 10 मार्च, 2026 को "जीनोमिक डेटा साइंस: टूल्स, ट्रेंड्स एंड ट्रांसलेशन" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें देश भर से शोधकर्ता, इस क्षेत्र के विशेषज्ञ और प्रतिभागी एक साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक- मार्च 16, 2026

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 51वीं तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक मार्च 16, 2026 को किया गया। निदेशक, एनआईपीजीआर की अध्यक्षता में संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा की गई।

हिंदी कार्यशाला

एनआईपीजीआर ने 25 फरवरी, 2026 को 'एनपीएस प्रावधानों पर विशेष हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया।

कार्यशाला

एनआईपीजीआर ने 24-27 मार्च, 2026 के दौरान के 'लिबरेशन, एक्सट्रैक्शन एंड रियूज ऑफ़ डेटा' पर चार-दिवसीय CODATA इंडिया कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक) को यूरोपियन पेटेंट प्राप्त हुआ...!!!

आमंत्रित व्याख्यान

- डॉ. रितुपर्णा गोस्वामी, पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएट, सेन्सबरी लेबोरेटरी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके ने 20 जनवरी, 2026 को "ट्यूनिंग नॉइज़: डायनामिक रेगुलेशन ऑफ़ जीन एक्सप्रेशन वरिअबिलिटी" विषय पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. मनीष तिवारी, रामानुजन फेलो, आनुवंशिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 11 फरवरी, 2026 को "हीट स्ट्रेस अल्टर्स नोड्यूलेशन कोम्पेटेंस एंड ऑटोरेगुलेशन इन मेडिकैगो ट्रंकटूला" पर व्याख्यान दिया।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. पीएच.डी. छात्रा डॉ. श्रेया गुप्ता को "कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ साल्ट स्ट्रेस रिस्पॉन्स ड्यूरिंग लो नाइट्रोजन अवेलेबिलिटी इन अरेबिडॉप्सिस थैलियाना" नामक उनके शोध कार्य के लिए 05 जनवरी, 2026 को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. अमर पाल सिंह (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

2. पीएच.डी. छात्रा डॉ. निधि गांधी को "डिसाइफरिंग द रोल ऑफ न्यूट्रिएंट-रिस्पॉन्सिव माइक्रोआरएनए(स) इन प्लांट ग्रोथ एंड डेवलपमेंट" विषय पर किए गए उनके शोध कार्य के लिए 19 जनवरी, 2026 को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. अमर पाल सिंह (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

3. पीएच.डी. छात्रा डॉ. अन्तिमा यादव को "इल्यूसिडेशन ऑफ रेगुलेटरी मॉड्यूल(स) पार्टिसिपेटिंग इन राइस ग्रेन डेवलपमेंट" नामक उनके शोध कार्य के लिए 19 जनवरी, 2026 को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. पिंकी अग्रवाल (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

4. पीएच.डी. छात्रा डॉ. अथिरा एम. नायर को "कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ अर्ली सिग्नलिंग जीन्स एंड मॉड्यूलेटर्स इन द इंटरैक्शन ऑफ अरबिडॉप्सिस विद द ग्रोथ प्रमोटिंग एंडोफाइट, *पिरिफॉर्मोस्पोरा इंडिका*" नामक उनके शोध कार्य के लिए 11 मार्च, 2026 को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. ज्योतिलक्ष्मी वडास्सेरी (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

गुवाहाटी विश्वविद्यालय के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 21 जनवरी 2026 को संस्थान ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों एवं संकाय सदस्यों का अध्ययन दौरे के लिए स्वागत किया। डॉ. अमर पाल सिंह ने संस्थान तथा अपनी प्रयोगशाला में संचालित पादप विज्ञान अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी साझा की। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने प्रतिभागियों को संस्थान की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं तथा विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से अवगत कराया।

शिवाजी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 4 फरवरी 2026 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज के जैव रसायन विभाग के छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत BRIC-NIPGR का दौरा किया। डॉ. दिव्या मिश्रा ने अपने वैज्ञानिक अनुभवों तथा प्रयोगशाला में चल रहे पादप विज्ञान अनुसंधान की जानकारी साझा की। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने प्रतिभागियों को संस्थान की अनुसंधान सुविधाओं एवं विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से परिचित कराया।

भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 19 फरवरी 2026 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज के छात्रों ने विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत BRIC-NIPGR का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ. मुकेश के. मीणा ने "कीट आक्रमण के विरुद्ध जैस्मोनेट-नियंत्रित पादप रक्षा प्रतिक्रियाओं के आणविक आधार" विषय पर व्याख्यान दिया ।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 19 मार्च 2026 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के छात्रों ने विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत BRIC-एनआईपीजीआर का दौरा किया। डॉ. पवन कुमार जेवारिया ने पौधों की सुरक्षा एवं विकास में स्रावी पेप्टाइड हार्मोनों की आणविक प्रक्रियाओं पर व्याख्यान दिया। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने प्रतिभागियों को संस्थान के प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों तथा STEM और वैज्ञानिक संचार के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से परिचित कराया।

मिजोरम विश्वविद्यालय के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 24 मार्च 2026 को मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल के वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्रों ने विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत एनआईपीजीआर का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ. प्रभाकरन सुंदरराजन ने *"ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण के माध्यम से फूलगोभी के कर्ड विकास में शामिल जीन नियामक नेटवर्क एवं मार्गों की पहचान"* विषय पर व्याख्यान दिया। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने प्रतिभागियों को संस्थान के प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों तथा STEM और वैज्ञानिक संचार के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों से परिचित कराया।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच,
ब्रिक–राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान